

सड़क किनारे लगे पेड़ पौधों को रंग लगाकर पर्यावरण प्रेमी ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

होली पर केमिकल रंगों को छोड़ कर प्रकृति के साथ रंगों फूलों के साथ होली खेलने का अपील



पायनियर संचादकाता ▲ ब्राह्मोद
www.dailypioneer.com

देश भर में रंगों के त्योहार होली की धूम मची है। चूहों लोग रंग, गुलाल लगाकर एक दूसरे को बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देते होली के जशन में ढूबे हैं। देश के किसी कोने में लटाहर होली खेली जा रही है तो कहीं कूर्ता पढ़ा होली की धूम है। इसी बीच पर्यावरण प्रेमी भोज साहू व उनके छ. वर्षीय पुत्र वृत्तांश साहू नीम पेंडों के साथ अनेही होली मनाई। हॉटी, चंदन, कुमकुम व विभिन्न रंगों के फूलों से

संग मिलाकर पेड़ पौधे पर रंग लगाया। साथ ही उनके साथी शुभम युवं, डेमन सिन्हा, दर्शन सहवारे, सरपंच कूलदीप ठाकुर ने पेड़ पौधों के साथ होली मनाई और उनका आभार जताया। पेड़ पौधों के साथ होली मनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। दरअसल पर्यावरण प्रेमी भोज साहू लगापाला डेढ़ दशक से पेड़ पौधों के साथ होली, दीवाली और वर्षा बंधन का त्योहार मनाते आ रहे हैं। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेकों मुहिम चलाते आ रहे हैं। गर्मी के दिनों में

रखी बांधकर भी पर्यावरण संरक्षण का दिया गया था संदेश

पर्यावरण प्रेमी भोज साहू ने बताया कि लोगों को पर्यावरण के प्रति जोड़ने व पर्यावरण के सुरक्षा के लिए हम सभी को आगे आगे की आवश्यकता है। आज लोग होली के नाम अनेकों हारे भरे पेड़ पौधे का काटकर बीलिका दहन कर देते हैं। पर्यावरण को उकसान न पुचंगे इस बात के बाने में रखें हुए सुखा लकड़ी कंडा को जलाने व कैमिकल युक्त रंग न खेलकर प्रकृति में खिले पेड़ पौधे के पुल्स पलाश, गुलाब, गेंदा जैसे पुल्सों से खेलने के लिए अपील किया है। कुछ दिन बाद इसी पेड़ों को काटकर नाली निर्माण व बिजली तार खिंचने के लिए कठाई होने वाला था। जिसे रोकथाम करताया था। इन्हीं पेड़ पर कबाद से जुगाड़ कर रक्षाधन के समय बड़ा सा गड़ा बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश लिखकर लटकाया है। जो राशीरों को अपनी ओर आकर्षित करता है और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है।

पशु पक्षियों के लिए दाना पानी का इंतजाम करते आ रहे हैं।

रन फॉर सनातन कदमों की नहीं विचारों की दौड़ होगी: डॉ सौरभ निर्वाणी यूनाइटिंग द नेशन ऑन व्हील्स के पोस्टर का हुआ विमोचन



पायनियर संचादकाता ▲ ब्रेमेतरा
www.dailypioneer.com

देश में ऐसे तो बहुत से उद्देश्यों को लेकर मैराथन होते रहते हैं, यह पहली बार है जब छत्तीसगढ़ में रन फॉर सनातन का आयोजन हो रहा है। प्रदेश के सभी जिलों में एक ही समय से दौड़ प्रारंभ कर विश्व कीतमान में दर्ज होने का यह अभियान

वस्तुतः सनातन के प्रति आस्था की दौड़ होगी, पोस्टर विमोचन के कार्यक्रम में भग्न लेते हुए उक्त बातें रन फॉर सनातन के संयोजक डॉ. सौरभ निर्वाणी को कही उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ सरकार के संस्कृति विभाग, धर्म संभंग, वन सी मीडिया, एकसे लैस्टिंग्स के सहयोग के संभीजितानि में एक ही समय से दौड़ प्रारंभ कर विश्व कीतमान में दर्ज होने का यह अभियान

पोस्टर विमोचन का आयोजन मुंबई में

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में आए सभी उपरिंथ अतिथियों को सुशंश जगवानी ने पुष्प गुच्छ शाल श्रीफल देकर सम्मान किया। ब्रेमेतरा जिले में नवागढ़ विधानसभा सुरेश जगवानी, मराठी फिल्मों में बाल साहब ठाकरे के अभियान से प्रयात्र मकांद पाठ्य ने किया, डॉ. सौरभ निर्वाणी ने यह भी बताया कि रन फॉर सनातन ऐतिहासिक दौड़ है जो सनातन संस्कृति और पर्यावरण जगान्करता को समर्पित है, इस आयोजन का उद्देश्य सनातन संस्कृति के गैरव को पुनर्स्थापित करना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरण करना है, धर्म संघर्ष के प्रवक्ता के एस आर मूर्ति ने कहा कि हम सभी सनातन प्रेमियों, पर्यावरण संरक्षकों और राष्ट्रपति को संपादित करते हैं कि इस ऐतिहासिक मैराथन का संदर्भ वन और सनातन के प्रमुखों का दौड़ के पश्चात बैंडिंग का कार्यक्रम होगा जिस पर वो सनातन संस्कृति पर अपना विचार व्यक्त करेंगे।

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में आए सभी उपरिंथ अतिथियों को सुशंश जगवानी ने पुष्प गुच्छ शाल श्रीफल देकर सम्मान किया। वामपारे, के एस आर मूर्ति, वामपारी आंदुकुरी, सुरेश जगवानी, मराठी फिल्मों में बाल साहब ठाकरे के अभियान से प्रयात्र मकांद पाठ्य ने किया, डॉ. सौरभ नि�र्वाणी ने यह भी बताया कि रन फॉर सनातन ऐतिहासिक दौड़ है जो सनातन संस्कृति और पर्यावरण जगान्करता को समर्पित है, इस आयोजन का उद्देश्य सनातन संस्कृति के गैरव को पुनर्स्थापित करना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरण करना है, धर्म संघर्ष के प्रवक्ता के एस आर मूर्ति ने कहा कि हम सभी सनातन प्रेमियों, पर्यावरण संरक्षकों और राष्ट्रपति को संपादित करते हैं कि इस ऐतिहासिक मैराथन का संदर्भ वन और सनातन के संस्कृति के संरक्षण और राष्ट्रपति को इसके संभागिता दें।

नवोदय चयन परीक्षा के लिए सामुदायिक विकास के तहत की गई सराहनीय पहल



पायनियर संचादकाता ▲ कवर्धा
www.dailypioneer.com

पीएम स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय (जेनेवी) कीबीरधाम के शिक्षकों ने ग्राम पंचायत खैरुलुल्सी में सामुदायिक विकास के तहत एक महान् पूर्व पहल की। इस पहल का मुख्य उद्देश्य नवोदय चयन परीक्षा की तैयारी कर विद्यार्थियों को आवासक और शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराना था, ताकि वे आगामी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। इस पहल के तहत छात्रों को नवोदय चयन परीक्षा की तैयारी के लिए पाठ्य सामग्री, पुस्तकों, चार

पेपर रिम, और अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री वितरित की गई। इस कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा शिक्षक व्हीशंकर साहू और संगीत शिक्षक चंद्रकांत यादव का विशेष योगदान रहा। उन्होंने छात्रों को परीक्षा की तैयारी के लिए मार्गदर्शन दिया और सामग्री को संयोजक व्हीशंकर साहू व योगदान के लिए अप्रतिम योग्यता दियी। इस पहल के तहत 48 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय में हुआ है। इनमें से कुछ बच्चे वर्तमान में जवाहर नवोदय चयन परीक्षा में भी रहे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक बड़ी घटना हो गई।

है कि ये प्रशिक्षक बच्चों को अप्रैल माह से ही अतिरिक्त समय निकालकर उन्हें नवोदय चयन परीक्षा की तैयारी करते हैं और इसके लिए कोई शुल्क नहीं लेते। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री योजना के तहत अनुसूचित जाति के ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और पुरुषों के उद्यमिता विकास एवं कौशल उनकी को बढ़ावा देना था। यह कार्यक्रम कृषि प्रसंस्करण एवं खाद्य विभाग के योग्यता विकास की तैयारी करता है। इस पहल के तहत योग्यता विकास के लिए विद्यार्थी अनुसूचित धन परिषद विभाग द्वारा दिया गया था। इस परियोग के लिए विद्यार्थी अनुसूचित धन का उपयोग दिया गया। इस परियोग के लिए विद्यार्थी अनुसूचित धन का उपयोग दिया गया। इस परियोग के लिए विद्यार्थी अनुसूचित धन का उपयोग दिया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र में अनुसूचित जाति के हितग्राहियों को दिया गया प्रशिक्षण



पायनियर संचादकाता ▲ कवर्धा
www.dailypioneer.com

कृषि विज्ञान केन्द्र में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका केन्द्र, कवर्धा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, डॉ. वी.पी. त्रिपाठी ने प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन प्रसंस्करण उद्योग की स्थानीय जाति के ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और पुरुषों के उद्यमिता विकास एवं कौशल उनकी को बढ़ावा देना था। यह कार्यक्रम कृषि प्रसंस्करण एवं खाद्य विभाग के योग्यता विकास की तैयारी करता है। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि विज्ञान केन्द्र अनुसूचित जाति प्रतिनिधियों और समाज स्थानीय विविधियों से सक्षम करना चाहता है। इसके लिए विद्यार्थी अपने बोतलों में जीवन की विज्ञानीय विद्याएँ लाए जाएंगी। इसके बाद विद्यार्थी एवं विद्यार्थियों को प्रशिक्षणार्थियों के प्रमुखों से सक्षमता विकास के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद विद्यार्थी एवं विद्यार्थियों को प्रशिक्षणार्थियों के प्रमुखों से सक्षमता विकास के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जिसे क्रृषि विज्ञान केन्द्र में अनुसूचित जाति के ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और पुरुषों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन उत्पादों का उत्पादन करना है। सोया आधारित बेकरी उत्पादों और सोया स्थानीय विविधियों के बारे में जीवन की विज्ञानीय विद्याएँ लाए जाएंगी। इसके बाद विद्यार्थी एवं विद्यार्थियों को सोयाबीन प्रसंस्करण के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद विद्यार्थी एवं विद्यार्थियों को सोयाबीन के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद विद्यार्थी एवं व



राग-रंग का लोकप्रिय पर्व

होली भारत का प्रमुख त्योहार है। होली जहाँ एक ओर सामाजिक एवं धार्मिक त्योहार है, वहीं रंगों का भी त्योहार है। बाल-वृद्ध, नर-नारी सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। इसमें जातिभेद-वर्णभेद का कोई स्थान नहीं होता। इस अवसर पर लकड़ियों तथा कड़ों आदि का ढेर लगाकर होलिकापूजन किया जाता है फिर उसमें आग लगायी जाती है। पूजन के समय मंत्र उच्चारण किया जाता है।

होली खेलने से पहले इन बातों का ध्येय

एंगों और खुशियों के त्योहार होली के एंग में सराबोर होने के लिए घर से निकलने से पहले आपको त्वचा और बालों की सुरक्षा के संबंध में कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए, जिससे आपको किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। त्वचा विशेषज्ञ ने होली खेलने निकलने से पहले त्वचा की देखगाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं-

* कुछ लोग होली खेलने के पहले बाल यह सोचकर नहीं धुलते हैं कि रंग खेलने से बाल गंदे होने ही हैं, लेकिन पहले से गंदे बाल में रंग लगने से आपके बालों को और नुकसान पहुंच सकता है और बाल रुखे हो सकते हैं, इसलिए बाल धुलकर, सुखाने के बाद बालों में अच्छी तरह से तेल लगाकर ही होली खेलने निकलें।

* होली खेलने निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम लगाना नहीं भूलें, क्योंकि तेज धूप में आपकी त्वचा दूलस सकती है और रंग काला पड़ सकता है।

* बाजार में उपलब्ध सिंथेटिक रंगों में हानिकारक कैमिकल और शीशा भी हो सकता है, जिससे आपकी त्वचा और आँखों को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए त्वचा और बालों पर अच्छे से तेल लगाएं और हो सके तो प्राकृतिक रंगों या घर पर बने टेस्क के फूल वाले रंग से होली खेलें। कानों के पीछे, उंगलियों के बीच में भी तेल अच्छे से लगाएं और नाखूंसों पर नेट पॉलिश लगाना नहीं भूलें। बालों में नारियल तेल डालकर अच्छे से मसाज करें, इससे

आपके बाल रुखे भी नहीं होंगे।

* शरीर के अधिकांश हिस्सों को रंगों से बचाने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, सूती रंग के ही कपड़े पहनें, बयोंकी भी गंदी गंदी पर सिथेटिक कपड़े शरीर से चिपक जाते हैं और आपको उलझन महसूस हो सकती है।

* फलों और सब्जियों के छिलकों को सुखाकर उसमें टेल्कम पाउडर और संतरे के सूखे छिलकों के पाउडर को मिलाकर होली खेलना एक अच्छा विकल्प है। इसमें हल्दी पाउडर, जिंजर रूट पाउडर व दालचीनी पाउडर भी मिलाएं जा सकते हैं, जो आपकी त्वचा के लिए हानिकारक साबित नहीं होंगे, लेकिन इन पाउडर को जोर से त्वचा पर मले नहीं, बयोंकी इससे लालिमा, खरोंच या दानों पड़ सकते हैं और त्वचा में जलन हो सकती है।

* होली खेलने के बाद सौंध फेसवॉश या साबुन का ही इस्तेमाल करें, बयोंकी हार्श साबुन से त्वचा रुखी हो सकती है, नहाने के बाद मॉइश्चराइजर और बांडी लोशन जरूर लगाएं।

* बालों को सौंध हर्बल शैम्पू से अच्छी तरह से धूंतें, ताकि अंग्रेक युक्त और कैमिकल वाले रंग बालों से अच्छी तरह से निकल जाएं, शैम्पू के बाद बालों का रुखापन दूर करने के लिए एक मग पानी में एक नींवु का रस मिलाकर धूंतें या फिर बीयर से भी बाल धुला जा सकता है, इससे आपके बाल मुलायम रहेंगे।

होली

होली वर्षत त्रूत में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है।

रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता है। यह प्रमुखता के कार्यक्रम होते हैं और गाना भजन भी साथ रहता है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलने, गोवा के शिमांगों का जलूस निकालने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा पंजाब के होला मोहला में सिखों द्वारा शक्ति प्रदर्शन की परंपरा है। तमिलनाडु की कमन पोडिङ्गी मुख्य रूप से कमादेव की कथा पर आधारित वसंतोत्सव है जबकि मणिपुर के याओंसांग उस नन्हीं झांपड़ी का नाम है जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नन्दी अथवा सरोवर के दर्शन पर्व में हर कार्यक्रम के बाद जाती है।

रंग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वर्षत का संदेशवाहक भी है। रंग अर्थात् और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुंचाने वाली प्रृथक् भी इस समय रंग-विरंगे योद्धान के साथ अपनी वरम अवसरा पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्योहार वर्षत पचासी से ही अरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आरक्षक छटा छ जाती है। पें-पौधे, पशु-पशु और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गूँहों की बालियाँ इटलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ सकोह और रुद्धियों भूलकर ढोलक-झाँझा-मंजीरों की धून के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में धूम जाते हैं। चारों तरफ रंगों की फुहर पूट पहरती है। होली के दिन आप मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खेलने का बड़ा माहात्म्य है।

विशेष उत्सव

भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में भिन्नता के साथ मनाया जाता है। ब्रज की होली आज भी रेशे देश के आकर्षण का बिंदु होती है। बरसाने की ललाम होली काफी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएं उन्हें लालियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। इसी प्रकार मथुरा और वृंदावन में भी 15

होली रंगों का त्योहार है, हैंसी-खुर्जी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते हैं। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रयोग, भांग-ठंडाई की जगह न्योबाई और लोक संगीत की जगह फलिमी गानों का प्रयोग इसके कुछ अध्युनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फांग, धमार, यौती और दुम्रियों की शान में कमी नहीं आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति संवेदन हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएं चंदन, गुलाबजल, टेस्क से फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी देखते हैं। रासायनिक रंगों के स्थान पर गाए-बजाए होली अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाजार में इसकी उपयोगिता का अंदाज इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्जोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली हैं से लगाया जा सकता है।

होलिका दहन पर भद्रा का साया और होली पर चंद्र ग्रहण, जानिए कब क्या करें?

होलिका दहन के बाद दूसरे दिन होली खेलती जाती है जिसे धुलेंडी कहते हैं। धुलेंडी यानी रगवाली होली। इस बार होलिका दहन और धुलेंडी पर भद्रा के साथ ही चंद्र ग्रहण का योग भी बन रहा है। ऐसे में यह जनना जरूरी है कि होलिका दहन की पूजा कर कर और कब होली खेलें। दिन पंचांग अनुसार 13 मार्च 2025 गुरुवार को होलिका दहन होगा और 14 मार्च शुक्रवार को धुलेंडी होगी लेकिन क्या यह होलिका दहन का मुहूर्त और कब खेलें होली।

पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ - 13 मार्च 2025 को सुबह 10:35 बजे से प्रारंभ।

पूर्णिमा तिथि समाप्त - 14 मार्च 2025 को दोपहर 12:23 बजे समाप्त।

भद्रा पूछ - शाम को 06:57 से रात्रि 08:14 तक।

भद्रा मुख - रात्रि 08:14 से रात्रि 10:22 तक।

दिनांक 14 मार्च 2025 गुरुवार को सुबह 09:29 बजे तक यह पूर्ण चंद्र ग्रहण लगेगा। होलिका दहन और होली पर भारत में चंद्र ग्रहण का प्रभाव नहीं रहेगा। क्योंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देता। होली पर चंद्र ग्रहण और सूतक काल का कोई प्रभाव नहीं रहेगा इसलिए धुलेंडी का पर्व मनाया जा सकता है।

13 मार्च 2025 को रात्रि भद्रा के पूछ काल में होलिका दहन कर सकते हैं। यदि भद्रा को छोड़ना है तो होलिका दहन श्रृंग मुहूर्त - मध्यरात्रि 11:26 से 12:30 के बीच। इसके बाद दूसरे दिन रंग लगानी होली खेल सकते हैं।

क्या है होली और राधा-कृष्ण का संबंध

होली के पर्व का जिक्र आते ही मन रंगों से खेलने लगता है और प्रेम के इस पर्व में हर कार्य की राधा व कृष्ण का होली से खेलने लगता है। आप सोच रहे होंगे कि राधा व कृष्ण का होली से वया नाता है तो आइये जानते हैं। होली और राधा-कृष्ण का संबंध है।

भगवान विष्णु ने जितने भी अवतार धारण किये हैं विद्यों के माध्यम से उन्हें सावल रंग का दिखाया जाता है और भगवान भी कृष्ण का तो नाम ही श्याम लिया जाता है। लेकिन उनका यह श्याम रंग बनने की कहानी है। दरअसल जब श्री कृष्ण के मामा कंस ने राक्षसी पुतन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से जोरा नाला कंट्रोल स्ट्रक्चर से इंद्रावती नदी में जल प्रवाह सुनिश्चित

पायनियर संचादकता < रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर जोरा नाला कंट्रोल स्ट्रक्चर में जल प्रवाह को नियंत्रित कर इंद्रावती नदी की मुख्य धारा में पानी छोड़ गया है। ओडिशा सरकार की सहमति के बाद स्ट्रक्चर में रेत की बोरियां डालकर पानी का प्रवाह सुनिश्चित किया गया, जिससे इंद्रावती नदी में जल स्तर में वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से इंद्रावती नदी के जल संकट के समाधान हेतु चर्चा की इस पर केंद्रीय मंत्री ने छत्तीसगढ़ एवं



ओडिशा के मुख्यमंत्रियों को सम्मान करने के नियकरण हेतु आवश्यक निर्देश दिए। जिसके परिणामस्वरूप उड़ीसा राज्य की

सहमति से जोरा नाला कंट्रोल स्ट्रक्चर को अस्थायी रूप से एक फीट ऊंचा किया गया, जिससे इंद्रावती नदी के जल प्रवाह में सुधार हुआ। इसके अतिरिक्त, इंद्रावती नदी के अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम में रेत की बोरियां डालकर पानी का प्रवाह सुनिश्चित किया गया, जिससे इंद्रावती नदी में जल स्तर में वृद्धि हुई है। इस संबंध में रेतकटर हरिस एस के मार्गर्शन में अपर कलेक्टर सी.पी. बघेल, अधिकारी पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग और जल संसाधन विभाग के इंवेंट पांडेय ने स्थानीय किसानों को जिला कार्यालय के प्रेणा सभा कक्ष में पूरी जानकारी दी।

इंद्रावती नदी और जोरा नाला की समस्या

इंद्रावती नदी का उद्गम ओडिशा राज्य के कालाहांडी जिले के रामपुर धुमाल गांव से हुआ है। यह नदी 534 किलोमीटर की लंबाई के बाद गोदावरी नदी में मिलती है। नदी का कैचमेंट परियोग 41,665 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें ओडिशा में 7,435 वर्ग किमी, छत्तीसगढ़ में 33,735 वर्ग किमी और महाराष्ट्र में 495 वर्ग किमी शामिल हैं। ओडिशा राज्य की सीमा पर गाम सूतपदर में इंद्रावती नदी दो भागों में बंट जाती है। एक भाग इंद्रावती नदी के रूप में 12 किमी बहकर गाम भैजापुर के पास छत्तीसगढ़ में प्रवेश करता है, जबकि दूसरा भाग जोरा नाला के रूप में 12 किमी बहते हुए शबरी (कोलाब) नदी में मिल जाता है। पहले जोरा नाला का पानी इंद्रावती में आता था, लेकिन थीरे-थीरे इसका बहाव बढ़ने से इंद्रावती का जल प्रवाह कम हो गया। समस्या नंगीर होने पर दिसंबर 2003 में ओडिशा और छत्तीसगढ़ के प्रमुख अधिकारियों की बैठक में जोरा नाला के मुहाने पर जल विभाजन के लिए कंट्रोल स्ट्रक्चर बलाने का विषय लिया गया। यह स्ट्रक्चर ओडिशा सरकार द्वारा बनाया गया, जिसकी डिजाइन केंद्रीय जल आयोग द्वारा दिया गया था। इससे इंद्रावती नदी में जल प्रवाह बढ़ेगा और किसानों को लिए पानी की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

राज सरकार की पहल से समाधान की दिशा में प्रगति

इंद्रावती नदी में न्यूट्रिटम जल प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने कई प्रयास किया। 6 जनवरी 2021 को ओडिशा और छत्तीसगढ़ के जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त निश्चय किया। इस निश्चय में कंट्रोल स्ट्रक्चर के अपस्ट्रीम में जलभवात रोकने के लिए रेत और बोर्डर हटाने तथा जोरा नाला को धुमाल को सीधा करने का अनुरोध किया गया। ब्रह्म 2018 के बाद इंद्रावती नदी में सतत जल प्रवाह कम होने की समस्या बनी हुई थी। अब राज्य सरकार के प्रयासों से ओडिशा सरकार का साथोगे प्राप्त हुआ है, जिससे इंद्रावती नदी में सतत जल प्रवाह करेगा और किसानों को लिए पानी की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

रंगों का त्यौहार है होली, खुशियों का उपहार है होली,
प्रेम और भाईचारे का संदेश लाती होली...

mahindra **Rise**

होली की शुभकामनाएं

SPORT UTILITY VEHICLES

BOLERO **XUV400** **XUV700** **SCORPIO** **THAR** **SCORPIO** **BOLERO**

MaXX CITY **MaXX HD** **EXPRESS PROFIT TRUCK**

- तत्काल 100% फाइनेंस सुविधा • न्यूनतम कागजी कार्यवाही
- आकर्षक ईएमआई • कोई भी पुराना वाहन लाये और नया महिन्द्रा वाहन घर ले जायें

रालास मोटर्स

रायपुर : टाटीबंध, जी.ई. रोड 0771-4244444, 7290057246



ASHT VINAYAKA REALTIES
CGRERA 150322A000647

खुशहाल और समृद्ध जीवन
के लिए करें निवेश अष्टविनायक रियलटीज़ के साथ

RESIDENTIAL PROPERTIES AT ONE PLACE
• PLOTS • FLATS • ROW HOUSE



<https://rera.cgstate.gov.in> | RERA Registered & Town and Country Planning Approved

8516003000



14 March 2025 **Pride Of Raipur**

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL
"EDUCATION MAKES FUTURE BETTER"

ADMISSION OPEN

SPECIAL DISCOUNT ON ADMISSION FEES
NURSERY TO 12TH
(Biology, Maths, Commerce)

HIGHLIGHT

Strong Academic Foundation & Personalized Attention
- Spoken English & Personality Development
- Safe & Reliable Transport with Surveillance

- Monthly Seminars & Interactive Discussions

- Scholarships for Meritorious Students (90% & Above from Other Schools)

Register Now at www.mesraipur.com

Civil lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.)

Contact : 0771-4000123, 93296-21221

ROYAL PUBLIC SCHOOL
Play Group Nursery Pre Primary Class I to XII (Science, Commerce, Bio Arts)

ADMISSION OPEN

NURSERY TO 12TH

SPECIAL DISCOUNT ON ADMISSION FEES

Activity-Based Learning for Pre-Primary

• Creative Classrooms & Play-Based Education

• Sports, Arts & Music for Holistic Growth

• Safe & Nurturing Environment

• Interactive Events & Competitions

• Safe & Reliable Transport with Surveillance

Mathpurena, Chourasiya Colony, Raipur (C.G.)

Mo : 95890-85558, 93296-21221,

Email : rpsraipur123@gmail.com

CHHAYA APPLICATIONS
Waterproofing With 3 to 10 Years Gurantee

DR. FIXIT WATERPROOFING EXPERT

Bathroom waterproofing

Terrace waterproofing

Terrace garden waterproofing

External wall waterproofing

आपके घर को ढांचे लिए पूरा

Your Vision Our Craftsmanship

R.B. Plus 81091 11313

RAIPUR 86028 11220

BIG BULL E-RICKSHAW & E-LOADER
ई-लोडर (डबल का फायदा)

छोटा नहीं, बड़ा हाथी

• 1 टन से 1.5 टन लोडिंग क्षमता

• शानदार पिकअप, स्पीड, जाड़लेज़

• खर्च कम, कमाई दुगुना

सेल्स सलॉनिटर/एजेंसी नियुक्त करना चाहिए

टील: शुभ नाकेटिंग, भनपुरी, रायपुर (छ.ग.), गो. 98266995200

दुकान एक कुलर अनेक

फूलर हाउस सिटी नोंदवानी, नगर लिंगम

के पास, गाँधी बांध, रायपुर

रुम ठंडा करने की गारंटी

फिटिंग के साथ

आकाश जैन 98261-64650

ताल जैन 98271-29211

100 रोड मॉलों के साथ विद्याशौलम

रुम-विन्डो, हॉल, डिविंग, इंडस्ट्रीयल कूलर

अंकित बाउण्ड्रीवॉल

पोल बॉलिंग

अब आपके बैशकीयां प्लाट को

सुरक्षित रखना हुआ आसान

प्रिकार्ट, बिल्स बाउण्ड्रीवॉल, डी.पी. सी

पोल फैसिंग करवाने हेतु संपर्क करें।

V.I.P. रोड रायपुर

98279-59655

जय श्री कृष्ण

रोम लोन व्यापार करने के लिए जय श्री कृष्ण

रोम लोन व्यापार करने के लिए जय श्री कृष्ण

रोम लोन व्यापार करने के लिए जय श्री कृष्ण

रोम लोन व्यापार करने के लिए जय श्री कृष्ण

रोम लोन व्यापार करने के लिए जय श्री कृष्ण

रोम लोन व्यापार करने के लिए जय श्री कृष्ण

रोम लोन व्यापार करने के लिए जय श्र